2023

HINDI

B.A. Third Semester End Examination - 2023

PAPER - CC5T

Full Marks : 60 *Time : 3 hours*

The figures in the right-hand margin indicate marks.
Candidates are required to give their answers in their own words as far as practicable.
Illustrate the answers wherever necessary.

क) किन्हीं दस प्रश्नों के उत्तर दीजिए : 10×2=20

(i) छायावाद के बाद क्रमशः हिन्दी कविता में आये दो वादों के नाम बताइए।

(ii) छायाबादोत्तर कौन से कवि बाबा के नाम से जाने जाते हैं? उनकी एक प्रसिद्ध कविता का नाम बताइए।

(iii) तार-सप्तक का प्रकाशन कब हुआ? उसके संपादक कौन थे?

(iv) प्रगतिवाद का आरंभ कब से माना जाता है? इसका अंत कब माना जाता है?

(v) ''कुरुक्षेत्र'' का प्रकाशन वर्ष क्या है? इसमें कुल कितने सर्ग हैं?

(vi) सर्वेश्वरदयाल सकसेना किस सप्तक के कवि हैं? उनके पहले काव्य संग्रह का नाम बताइए।

(vii) अज्ञेय किस काव्यधारा के प्रवर्तक कवि हैं? उनके एक काव्य संग्रह का नाम बताइए।

(viii) रघुवीर सहाय को साहित्य अकादमी कब और किस रचना के लिए मिला?

(ix) 'आदमी का अनुताप' एवं 'काठ की घंटिया के रचनाकारो के नाम लिखिए।

(x) नागार्जुन का वास्तविक नाम क्या था? वे हिन्दी के अतिरिक्त अन्य किस भाषा में रचना करते थे?

(xi) दिनकर की किस रचना को कब साहित्य अकादेमी पुरस्कार मिला?

(xii) केदारनाथ अग्रवाल किस धारा के कवि हैं?उनकी एक काव्य-संग्रह का नाम बताइए।

(xiii) 'हिरोशिमा' तथा तुम्हारे साथ रहकर' कविता के कवियों के नाम लिखिए।

(xiv) भवानी प्रसाद मिश्र का जन्म कब और कहाँ हुआ?

(xv) नयी कविता का आरम्भ कब से माना जाता है? इस धारा के एक कवि का नाम लिखिए।

ख) किन्हीं चार काव्याशों की सप्रसंग व्याख्या कीजिए : 5×4=20

(i) तुम विषण्ण हो समझ
हुआ जगदाह तुम्हारे कर से
सोचो तो, क्या अग्नि समर की
बस्ती ही अम्बर से?

(ii) तुम सभ्य तो हुए नहीं
नगर में बसना भी तुम्हें नहीं आया
एक बात पूछूँ...
तब कैसे सीखा डँसना
विष कहाँ से पाया?

(iii) शिवजी की तीसरी आँख से
निकली हुई महाज्वाला में
घृत मिश्रित सूखी समिधा-सम
कामदेव जब भस्म हो गया

रति का क्रन्दन सुन आँसू से
तुमने ही तो दृग धोये थे?
कालिदास सच-सच बतलाना
रति रोई या तुम रोये थे?

(iv) "अर्जित करूँगा उसे मरकर बिखरकर
आज नहीं कल सही आऊँगा उबरकर
कुचल भी गया तो लज्जा किस बात की
रोकुँगा पहाड़ गिरता
शरण नहीं भागूँगा
नहीं नहीं प्रभु तुमसे
शक्ति नहीं माँगूँगा।"

(v) चुनते थे अनाज के कंकर
चक्की पिसते थे
आश्रम के अनाज याने
आश्रम में पिसते थें।

(Continued)

(vi) ईर्ष्या, अहं, स्वार्थ घृणा, अविश्वास लीन
संख्यातीत शंख-सी दीवारें उठाता है
अपने की दूजे का स्वामी बताता है
देशों की कौन कहे
एक कमरे में
दो दुनियाँ रचता है।

(vii) "यह दीप अकेला स्नेह भरा
है गर्व भरा मदमाता पर
इसको भी पंक्ति को दे दो।"

ग) निम्नलिखित में से किन्हीं दो प्रश्नों के उत्तर दीजिए : 10×2=20

(i) सर्वेश्वर दयाल सक्सेना की काव्यगत विशेषताओं पर प्रकाश डालिए।

(ii) "कुरुक्षेत्र" का भाव सौन्दर्य स्पष्ट कीजिए।

(iii) " आदमी का अनुपात" कविता में अभिव्यक्त कवि के भावों पर प्रकाश डालिए।

(iv) अज्ञेय के काव्य सौन्दर्य पर विचार कीजिए।